दशा माता की कथा आरती (Dasha Mata Ki Katha Aarti)

दशा माता की कथा आरती (Dasha Mata Ki Katha Aarti)
आरती श्री दशा माता की,
कष्ट सभी केये निवारती,
मंगल मूर्तिसंकट हरणीति संकट हरणी,
मंगलमय माँ दशा की आरतीं दशा की आरती,
आरती श्रीं दशा माता की,
कष्ट सभी केये निवारती।।
माँ मीनावाड़ा की तू महारानी
ी,
है मात भवानी जग कल्याणीी जग कल्याणी,
माँ दिन दशा तू ही सुधारणी
दशा तू ही सुधारणी,
धूप दीप से हो रही आरती,
आरती श्रीं दशा माता की,
कष्ट सभी केये निवारती।।
व्रत पूजन कर जो करे साधना
ा,
माँ करती उनकी पूरी मनोकामना
ा,
श्रद्धा से हम सब करते प्रार्थनाा,
भगतो की बिगड़ी तू ही संवारती
ी तू ही संवारती,
आरती श्रीं दशा माता की,
कष्ट सभी केये निवारती।।
जगमग ज्योति मंदिर माही झलक रही
र माही झलक रही,
शुभ बेला में आरती हो रही,
'दिलबर' दुनिया मे माँ सा कोई नही
ही,
नागेश अँखिया माँ की छवि निहारती
निहारती,
आरती श्रीं दशा माता की,
कष्ट सभी केये निवारती।।
आरती श्री दशा माता की,
कष्ट सभी केये निवारती,
मंगल मूर्तिसंकट हरणीति संकट हरणी,
मंगलमय माँ दशा की आरतीं दशा की आरती,
आरती श्रीं दशा माता की,

कष्ट सभी केये निवारती।।